राष्ट्रीय चेतना परिवार, बेंगलुरू

अभिव्यक्ति काव्य मंच

तरेपनवीं काव्य संध्या - औपचारिक रिपोर्ट

आयोजन तिथि	आयोजन माध्यम	अध्यक्षता	संचालन
6 सितंबर 2026	आभासी पटल (Virtual)	श्रीमती मंजु गुप्ता जी	श्रीमती मीना गुप्ता जी

संस्थापक : डॉ. अरविन्द गुप्ता जी
अध्यक्षता : श्रीमती मंजु गुप्ता जी
सरस्वती वंदना : श्रीमती काव्या खन्ना जी
मुख्य अतिथि एवं समीक्षक : श्री अशोक अग्निवीर जी (अंडमान)
विशिष्ट अतिथि : श्री रामस्वरुप 'सूबेदार' जी
श्रोता प्रतिनिधि : श्री राधेश्याम यादव, श्री परवीन कमांडो

कार्यक्रम विवरण एवं उद्देश्य

आज 6 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय चेतना परिवार, बेंगलुरू के अभिव्यक्ति काव्य मंच पर श्रीमती मंजु गुप्ता जी की अध्यक्षता में आभासी पटल के माध्यम से अपनी तरेपनवीं काव्य संध्या का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक डॉ. अरविन्द गुप्ता जी ने संस्था का परिचय दिया। इसमें मुख्य अतिथि एवं समीक्षक के रूप में श्री अशोक अग्निवीर जी (अंडमान) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री रामस्वरुप 'सूबेदार' जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन सचिव श्रीमती मीना गुप्ता जी ने किया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य साहित्य के माध्यम से भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना को प्रोत्साहित करते हुए समसामयिक परिस्थितियों पर सार्थक चिंतन एवं विचार-विमर्श करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मंच की सक्रिय सदस्या श्रीमती काव्या खन्ना जी द्वारा माँ सरस्वती की वंदना से हुआ। इसके पश्चात अध्यक्षा महोदया ने पटल पर उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं समीक्षक श्री अशोक अग्निवीर जी का औपचारिक परिचय श्रीमती ऋचा पाठक जी द्वारा तथा विशिष्ट अतिथि श्री रामस्वरुप 'सूबेदार' जी का परिचय श्रीमती उषा उमेश 'उमा' गुप्ता जी द्वारा दिया गया।

काव्य पाठ एवं सहभागी

इस काव्य-सम्मेलन में विभिन्न कवियों एवं कवयित्रियों ने ऑनलाइन मंच पर अपनी उत्कृष्ट रचनाएँ प्रस्तुत कीं, जिससे श्रोतागण मंत्रमुग्ध एवं भावविभोर हो गए।

प्रमुख सहभागी कवि एवं कवयित्री :
अनीता पांडा, गीता चौबे 'गूँज', उषा कंसल, उषा उमेश 'उमा' गुप्ता, एडवोकेट अंजु भारती, शेफालिका सिन्हा, ऋचा पाठक, लोकगीत गायिका सुनीता सैनी, सुरेश जांगिड़, नीना गुप्ता, अनुराधा के., शारदा मिश्रा, उर्मिला श्रीवास्तव, डॉ. शर्मा जी, काव्या खन्ना, मीना गुप्ता एवं अन्य। सदस्य श्री राधेश्याम यादव और श्री परवीन कमांडो विशेष रूप से श्रोता के रूप में उपस्थित रहे।

प्रस्तुत रचनाओं के प्रमुख विषय :

कृष्ण प्रेम · गणपति वंदना · सामाजिक जागरूकता · समसामयिक चिंतन · हास्य · आत्मचिंतन · सावन एवं प्रकृति

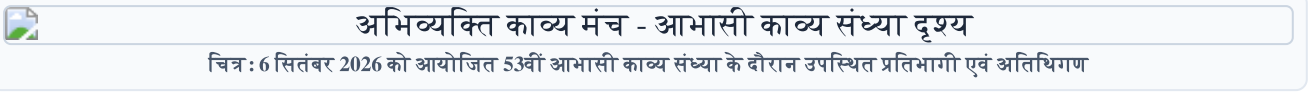
अतिथि संबोधन एवं समीक्षा

मुख्य अतिथि श्री अशोक अग्निवीर जी ने समसामयिक परिस्थितियों पर आधारित ओजस्वी कविता सुनाते हुए अपने संदेश में संस्था के साहित्यिक प्रयासों एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की तथा प्रस्तुत सभी रचनाओं की सटीक एवं प्रेरणादायी समीक्षा की। विशिष्ट अतिथि श्री रामस्वरुप 'सूबेदार' जी ने अपनी भक्तिमयी एवं आध्यात्मिक कविता की प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया।

अध्यक्षा महोदया ने एक सुंदर गीत की प्रस्तुति देते हुए अपने प्रेरणादायी उद्‌बोधन में कहा कि इस प्रकार के ऑनलाइन आयोजनों से साहित्यिक प्रतिभाओं को निखरने और अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को व्यापक मंच प्रदान करने का सुअवसर मिलता है। संस्था के संस्थापक डॉ. अरविन्द गुप्ता जी ने सभी अतिथियों, रचनाकारों एवं श्रोताओं के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

आभासी मंच पर पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, उमंग और साहित्यिक सरसता का अद्‌भुत वातावरण बना रहा। कार्यक्रम का गरिमामय समापन राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत 'वंदे मातरम्' के साथ हुआ। यह आभासी काव्य-सम्मेलन साहित्य, संवेदना और विचारों के सुंदर संगम के रूप में सभी के लिए यादगार बन गया।

आयोजन की झलकियाँ (आभासी पटल)



चित्र : 6 सितंबर 2026 को आयोजित 53वीं आभासी काव्य संध्या के दौरान उपस्थित प्रतिभागी एवं अतिथिगण

प्रतिवेदन प्रस्तुतकर्ता
सचिव – मीना गुप्ता